

*Clauses 1 and 2 were added to the Bill.*

*The Title and the Enacting Formula were added to the Bill.*

**Shri A. C. Guha:** I beg to move:

"That the Bill be passed."

**Shri Nambiar:** Sir, I want to know whether the hon. Minister can give us an idea as to what is the amount that has been saved out of this for the last few years, or at least in one year?

**Shri A. C. Guha:** I have not got the figures.

**Shri Nambiar:** Not even for one year?

**Shri A. C. Guha:** No, Sir.

**Mr. Deputy-Speaker:** The question is:

"That the Bill be passed."

*The motion was adopted.*

**BENARES HINDU UNIVERSITY  
(AMENDMENT) BILL.**

**(AMENDMENT OF SECTION 17)**

**Mr. Deputy-Speaker:** We will now take up Private Members' Business.

**Shri Raghunath Singh** (Banaras Distt.—Central): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Benares Hindu University Act, 1915.

**Mr. Deputy-Speaker:** The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Benares Hindu University Act, 1915."

*The motion was adopted.*

**Shri Raghunath Singh:** I introduce the Bill.

**Mr. Deputy-Speaker:** Shri S. V. Ramaswamy is not here. Then, Shrimati Maniben Patel.

**SUPPRESSION OF IMMORAL  
TRAFFIC AND BROTHELS  
BILL**

**Shrimati Maniben Patel** (Kaira South): I beg to move:

"That the Bill to provide for and consolidate the law relating to suppression of immoral traffic in women and brothels, be taken into consideration."

**श्रीमती मणिबेन पटेल :** उपाध्यक्ष जी, यह बिल ऐसा है कि जिसमें कोई ज्यादा कहने की जरूरत नहीं है। इसकी आवश्यकता में मानती हूँ कि सब लोग महसूस करते हैं। कुछ स्टेटों में इस सम्बन्ध में कानून मौजूद भी हैं, परन्तु यह उचित होगा कि सारा देश भर के लिये अगर एक सेंट्रल लेजिस्लेशन हो जाय, देश के लिये एक यूनीफार्म कानून हो जाय तो इस पर अमल करने में भी काफी आसानी होगी। हम जानते हैं और हमने अक्सर देखा है कि लोगों ने इस प्रकार का एक धंधा बना रक्खा है कि वह बेचारी लड़कियों को उठा कर ले जाते हैं और उनको बाथरूम में ले जाकर पैसा बनाते हैं। इसलिये अगर इस प्रकार का एक कानून बन जाय तो हमारा देश और समाज में जो आज एक नैतिक अधःपतन हो रहा है उसको रोकने में हम समर्थ हो सकते हैं। पार्टिशन के बाद तो यह बुराई और भी काफी बढ़ गई है, क्योंकि काफी लोग बेचार अपने घरों से निकाले गए हैं और उनके रहने का कोई ठीक प्रबन्ध न होने के कारण मात एक जगह बसी है, स्त्री दूसरी जगह है और पति कहीं तीसरी जगह पर रह रहा है। इसके अलावा लोगों की आर्थिक हालत भी काफी बिगड़ी हुई है, इस कारण कई लोगों ने इसका भी फायदा उठाया है और बंगाल प्रान्त में कलकत्ते में तो अभी यह भी देखने में आया है कि वहाँ पर समाज क्लीनिक्स का धंधा लोगों ने कर रखा है, अभी अप्रैल के महीने के मॉडर्न रिव्यू में यह खबर आई है कि यह काम वहाँ पर इतने जोरों